विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ दिनांक - 01- 02 - 2022

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक - पंकज कुमार

सुप्रभात् बच्चों आज कारक की परिभाषा के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

कारक

कारक की परिभाषा

कारक शब्द का अर्थ होता है - क्रिया को करने वाला। जब क्रिया को करने में कोई न कोई अपनी भूमिका निभाता है उसे कारक कहते है। अथार्त संज्ञा और सर्वनाम का क्रिया के साथ दूसरे शब्दों में संबंध बताने वाले निशानों को कारक कहते है विभक्तियों या परसर्ग जिन प्रत्ययों की वजह से कारक की स्थिति का बोध कराते हैं उसे विभक्ति या परसर्ग कहते हैं।

दूसरे शब्दों में कारक का अर्थ होता है किसी कार्य को करने वाला। यानी जो भी क्रिया को करने में भूमिका निभाता है, वह कारक कहलाता है।

कारक के उदाहरण

- वह रोज़ सुबह गंगा किनारे जाता है।
- वह पहाड़ों के बीच में है।
- नरेश खाना खाता है।
- सूरज किताब पढता है।
- राम ने रावण को बाण मारा।
- रोहन ने पत्र लिखा।

कारक के भेद

कारक के मुख्यतः आठ भेद होते हैं-

- **कर्ता कारक**
- **कर्म कारक**
- **करण कारक**
- **सम्प्रदान कारक**
- **अपादान कारक**
- **संबंध कारक**
- **अधिकरण कारक**
- **संबोधन कारक**